आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 11.08.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– सरकार प्रदेश में आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।
- प्रदेश में प्राकृतिक जल स्रोतों, नदियों और नालों के किनारों पर किसी भी प्रकार के सरकारी या निजी निर्माण कार्य पर रोक रहेगी।
- सरकार ने उत्तरकाशी जिले के धराली में आपदा प्रभावित 98 परिवारों को पाँच–पाँच लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए।
- और... मौसम विभाग ने आज हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर जिलों में बारिश का रेड अलर्ट और शेष जिलों के लिए ऑरेंज–अलर्ट जारी किया।

विश्व आयुर्वेद कांग्रेस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए प्रत्येक जिले में एक–एक मॉडल आयुष गांव विकसित किया जा रहा है। साथ ही नए योग और वेलनेस केंद्र भी विकसित किए जा रहे हैं। आज देहरादून में 10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो के प्रोसेडिंग विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और एक्सपो मार्ट के आयोजन के माध्यम से हम न केवल भारत में, बल्कि विश्व के विभिन्न देशों में यह संदेश देने में सफल रहे कि आयुर्वेद द्वारा किस प्रकार उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड प्राचीन काल से ही आयुर्वेद और औषधीय संपदा की प्रज्ञा भूमि रही है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय अंचल में पाई जाने वाली औषधीय जड़ी–बूटियों ने आयुर्वेद को आरोग्य के आधारभूत तत्व के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री धामी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गठित आयुष मंत्रालय आज इस प्राचीन विज्ञान को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान दिला रहा है।

निर्माण रोक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा की दृष्टि से प्रदेश के संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की नई बसावट या नए निर्माण कार्य की अनुमति पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। आज देहरादून में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में आपदा प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। श्री धामी ने कहा कि प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, हिमस्खलन तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों को तत्काल चिन्हित किया जाए, ताकि संभावित खतरे से पहले ही सतर्कता बरती जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्राकृतिक जल स्रोतों, नदियों और नालों के किनारों पर किसी भी प्रकार का सरकारी या निजी निर्माण कार्य प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी करने की निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आपदा से बचाव के लिए रोकथाम के उपायों को प्राथमिकता और संवेदनशील क्षेत्रों में जनहित को ध्यान में रखते हुए ठोस और प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया।

आर्थिक सहायता

प्रदेश सरकार ने उत्तरकाशी जिले के धराली में आपदा प्रभावित 98 परिवारों को पाँच–पाँच लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के तहत गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश सिंह चौहान ने आज प्रभावित परिवारों को ये चेक प्रदान किए। इस सहायता का उद्देश्य पीड़ित परिवारों को पुनर्वास की दिशा में प्रारंभिक सहारा देना है ताकि वे आपदा के बाद के कठिन दौर में अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकें। सरकार की ओर से आर्थिक सहायता मिलने पर लाभार्थियों ने सरकार का आभार व्यक्त किया।

इस बीच, आपदा स्थल धराली में खोज और बचाव अभियान आज भी जारी रहा। आपदा प्रभावित क्षेत्र धराली–हर्षिल में रसद, घरेलू गैस, कम्बल, ईंधन और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाने का क्रम लगातार जारी है। जिला प्रशासन का कहना है कि आपदा से क्षतिग्रस्त मार्ग के दुरुस्त होने तक सभी सामग्रियों को हैली के माध्यम से भेजी जा रही है।

मौसम–01

प्रदेश के अधिकांश जिलों में तड़के से झमाझम बारिश हो रही है। लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य में नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे मैदानी इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जगह–जगह अवरुद्ध सड़कों को खोलने का काम जारी है। चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी जिलों में मुख्य सड़कों के अवरूद्ध होने से सबसे अधिक यातायात प्रभावित हुआ है। हालांकि प्रशासन ने शाम तक अधिकांश मार्गों को यातायात के लिए सुचारू कर दिया है।

राजधानी देहरादून के आईटी पार्क, कांवली रोड, रायपुर, मालदेवता, रिस्पना सहित अन्य क्षेत्रों में जलभराव से यातायात और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं, कांवली रोड़ पर बने पुल के ऊपर नदी का पानी आने से आवाजाही रोकी गई है। नेहरू कालोनी क्षेत्र में रिस्पना नदी के किनारे का पुश्ता ढहने से 02 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। रायपुर क्षेत्र में भी तेज बारिश से कई मवेशी भी बह गये।

उधर, बागेश्वर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन से कई सड़के अवरूद्ध हैं। साथ ही दर्जनों आवसीय भवनों को नुकसान पहुंचा है। खतरे को देखते हुए प्रशासन सतर्क है।

मौसम–02

चमोली जिला प्रशासन ने भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर अगले 5 दिनों तक जिले के सभी ट्रेकिंग मार्गों पर आवाजाही पर रोक लगा दी है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

इस बीच, मौसम विभाग ने आज हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, ऊधमसिंह नगर और बागेश्वर जिलों के कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश का रेड अलर्ट और शेष जिलों के लिए ऑरेंज–अलर्ट जारी किया है।

विभाग ने अगले चार दिनों तक पूरे राज्य में तेज बारिश का अनुमान जताया है।

तृतीय केदार

तृतीय केदार श्री तुंगनाथ मंदिर के संरक्षण, जीर्णोद्धार और रखरखाव के लिए श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति– बीकेटीसी ने प्रयास तेज कर दिये हैं।

सीएसआईआर दिल्ली और केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की तृतीय मंदिर के निर्माण और विकासात्मक गतिविधियों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रही है। इसी क्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण और सीबीआरआई पहले भी श्री तुंगनाथ मंदिर क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत जिला पंचायतों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और क्षेत्र पंचायतों में प्रमुख, ज्येष्ठ उपप्रमुख और कनिष्ठ उपप्रमुख के पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। बागेश्वर जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष भटगाई की मौजूदगी में जिला पंचायत कार्यालय में जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

क्विज प्रतियोगिता

आज़ादी का अमृत महोत्सव और उन्यासीवें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आकाशवाणी समाचार देहरादून ने एक क्विज प्रतियोगिता शुरू की है। सबसे पहले सही उत्तर देने वाले श्रोता का नाम अगले दिन के समाचार बुलेटिन में घोषित किया जाएगा। हमारा कल का प्रश्न था– स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?

सही उत्तर है– डॉ. राजेंद्र प्रसाद

हमारे कल के विजेता हैं– टिहरी गढ़वाल के जोनपुर से प्रताप रावत।

श्रोताओं आज का प्रश्न है– भारत के वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज का डिज़ाइन किसने तैयार किया था? प्रश्न एक बार फिर सुन लें– भारत के वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज का डिज़ाइन किसने तैयार किया था?

श्रोता अपने प्रश्न का उत्तर आकाशवाणी की ईमेल आईडी– rnudehradun@gmail.com या व्हाट्सएप नंबर –

97 60 26 80 51 पर भेज सकते हैं।